बुल्गारिया की नेशनल असेंबली के स्पीकर महामहिम श्री रॉसेन ज़ेल्याज़कोव के नेतृत्व में पधारे संसदीय शिष्टमंडल को माननीय अध्यक्ष का बैंक्विट सम्बोधन

मुझे भारत की संसद की ओर से महामहिम, माननीय रॉसेन ज़ेल्याज़कोव और बुल्गारिया के संसदीय शिष्टमंडल के अन्य सदस्यों का हार्दिक स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। आपको तथा आपके शिष्टमंडल के सदस्यों को मेरी ओर से तथा भारत की संसद की ओर से नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं।

आपकी इस यात्रा से हमें एक बार फिर भारत और बुल्गारिया के लोगों और सांसदों के बीच की मित्रता तथा आपसी समझ को और अधिक मजबूत करने का अवसर मिला है।

महामहिम, भारत और बुल्गारिया के बीच ऐतिहासिक रूप से प्रगाढ़ संबंध रहे हैं। दोनों ही देश लोकतान्त्रिक पद्धति में आस्था रखने वाले देश हैं। हमारे देशों के बीच विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों में परस्पर समर्थन एवं सहयोग की लंबी परंपरा रही है।

दोनों देश प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर समान विचार रखते हैं। साझे मूल्यों और आपसी मित्रता की इसी भावना के आधार पर हमारे संबंध विकसित हो रहे हैं।

महामहिम, मुझे प्रसन्नता है कि हमारे देशों के बीच संबंध निरंतर सुदृढ़ हो रहे हैं और विभिन्न क्षेत्रों में हमारी मित्रता विकसित हो रही है।

यह हमारे शीर्ष नेतृत्व के सक्रिय प्रयासों के कारण ही संभव हो पाया है। हम बुल्गारिया के साथ अपनी विशेष मित्रता को बनाए रखने और इसे सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मुझे प्रसन्नता है कि पिछले वर्षों में बुल्गारिया के लोगों की योग एवं हमारी संस्कृति में रुचि बढ़ी है। योग हमारी संस्कृति की एक अमूल्य देन है। योग के माध्यम से आज पूरा विश्व अपनी शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को उत्तम बना रहा है।

पर्यटन के क्षेत्र में भी हमारे संबंधों में विकास की अच्छी संभाववनाएं हैं। सामूहिक प्रयासों से हमें इन क्षेत्रों में अपने सहयोग को बढ़ाना होगा।

महामहिम, लोकतान्त्रिक देशों के बीच नियमित संसदीय चर्चा और संवाद आवश्यक है। मुझे विश्वास है कि आपकी इस यात्रा से हमारे संसदीय संबंध और सशक्त होंगे।

मुझे आशा है कि हमारे देश में आपका प्रवास सुखद रहा होगा। आपकी आगे की यात्रा के लिए आपको शुभकामनाएं।